In the NEWS

RELIANCE Life Insurance

Publication: **Business Bhaskar** | Region: **Delhi** | Date: **15/02/2014** | Page No.: **7**

आर्थिक लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार है जीवन बीमा

अनूप राव

सीईओ, रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस

जीवन बीमा न केवल परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है बल्कि किसी व्यक्ति को विस्तृत आर्थिक योजना को भी आसान बनाता है। इससे धन संचित करने और धन सुरक्षित रखने के साथ-साथ लिक्विडिटी की सुविधा भी मिलती है। यह दीर्घावधि की क्रमबद्ध बचत की आदत को बनाता है। इससे न केवल धन संचित होती है, बल्कि यह समय के साथ धन की ग्रोथ को भी सुनिश्चित करता है ताकि आपके दीर्घावधि के लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम हों। फाइनेंशियल प्लानिंग का प्राथमिक उद्देश्य होता है अपने परिवार को तात्कालिक और भविष्य की अप्रत्याशित घटनाओं के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना। जीवन बीमा किसी भी फाइनेंशियल प्लान का अहम हिस्सा होता है और इस प्रकार के सुरक्षा का संतोष निवेश का कोई दूसरा विकल्प नहीं दे सकता।

सुरक्षा

परिवार के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए धन का प्रवाह जारी रहना जरूरी है ताकि अगर परिवार के मुखिया को कुछ हो जाता है तो परिवार के सदस्यों को कम से कम आर्थिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों लगातार होती बढ़ोतरी और इलाज के बढ़ते खर्च के कारण, इसके लिए भी सुरक्षा कवर लेना जरूरी हो जाता है।

बच्चों का उज्ज्वल भविष्य

एक माता-पिता होने के नाते आप अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित और उज्ज्वल बनाना चाहते हैं। चाहे वह अच्छी शिक्षा हो या धूम-धाम से उनकी शादी, बढ़ती महंगाई के कारण इन लक्ष्यों को प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण लगता। हालांकि, उचित योजना और सही समय से लगातार निवेश के जरिए इन लक्ष्यों की प्राप्ति आसानी से हो सकती है।

धन संचित करने में सहायता

जीवन के प्रमुख आर्थिक लक्ष्यों जैसे घर खरीदना, बड़ी कार, विदेश में छुट्टियां मनाने जाना या फिर पति या पत्नी या माता-पिता को कुछ खास उपहार देना, में जीवन बीमा मददगार साबित होता है। वेल्थ क्रिएशन में दो चीजें प्रमुख होती हैं- सुरक्षा और रिटर्न। इन दोनों के बीच आवंटन उम्र के पड़ाव और जीवनशैली पर निर्भर करता है।

रिटायरमेंट की योजना

ज्यादातर लोग रिटायरमेंट प्लानिंग की जरूरत को नजरअंदाज कर देते हैं। बढ़ती महंगाई, हेल्थकेयर की बढ़ती लागत और औसत जीवन प्रत्याशा में होती बढ़ोतरी का सीधा सा मतलब है कि रिटायरमेंट प्लानिंग एक ऐसी जरूरत है जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता।

क्या आपको लाइफ इंश्योरेंस की जरूरत है?

अगर आपका परिवार या कोई भी व्यक्ति आप पर आर्थिक रूप से निर्भर है तो इसका जवाब हां में है क्योंकि जीवन बीमा आपके परिवार को ऐसे समय में आर्थिक सुरक्षा देता जब आप नहीं होते हैं। इसके अलावा यह निवेश का भी एक माध्यम है जिसकी मदद से आप बच्चों की शिक्षा, उनकी शादी और अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग कर सकते हैं।

कहां से करें शुरुआत

अब सवाल उठता है कि इसकी शुरुआत कैसे की जाए? इसके लिए सबसे पहले आपको अपनी आवश्यकताओं को समझना होगा। अपनी वित्तीय स्थिति समझनी होगी और उसके बाद सही योजना का चयन करना होगा। इंश्योरेंस की जरूरतों का मूल्यांकन करना होगा। जीवन बीमा आवश्यकताओं की सूची में ऊंचा स्थान रखता है। आपका लक्ष्य टैक्स बचाना भी हो सकता है या भविष्य की वित्तीय लक्ष्यों के लिए धन संचित करना हो सकता है। इसके लिए आपको अपनी मौजूदा परिसंपत्तियों और देनदारियों को समझना होगा। इन सवालों का विश्लेषण करने से आपको जीवन बीमा चुनने की प्रक्रिया में मदद मिलेगी।

कब की जाए बीमा की खरीदारी?

व्यक्तिगत इंश्योरेंस की आवश्यकता जीवन के प्रत्येक पड़ाव के अनुसार बदल जाती है। हालांकि यह एक सच्चाई है कि शुरुआत में ही बीमा कवर लेना ज्यादा सस्ता होता है। इसलिए, जीवन बीमा कवर की खरीदारी युवावस्था में करना ज्यादा अच्छा रहता है। यही समझदारी है। हालांकि, प्लानिंग के लिए किसी भी सही उम्र की दरकार नहीं है। शुरुआत में ही प्लानिंग करना दीर्घावधि के लिए अच्छा होता है। लाइफ इंश्योरेंस प्लान का प्रीमियम उम्र के अनुसार बढ़ता ही जाता है। कम उम्र में आप मेडिकली फिट होते हैं और शारीरिक तौर पर मजबूत होते हैं। इस तरह से इंश्योरेंस की लागत में कमी आ सकती है और आपको कम प्रीमियम में ज्यादा कवर मिल सकता है।

किसी भी वित्तीय योजना की शुरुआत उन वित्तीय लक्ष्यों को तय करने से होती है जिन्हें आप प्राप्त करना चाहते हैं। जीवन के प्रत्येक चरण में हमारे लक्ष्य और सपने बदलते हैं। इसकी शुरुआत सुरक्षित आय, मुश्किल दिनों के लिए की जाने वाली बचत, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की योजनाएं, कार या घर की खरीदारी और अंत रिटायरमेंट प्लानिंग से होती है। हमारे जीवन के वित्तीय लक्ष्य हमें ज्यादा से ज्यादा मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हैं। इस तरह के सपने और लक्ष्य हमारे बचत को पूरा करते हैं। साथ ही रिस्क को भी संरक्षित करते हैं और कई ऑब्जेक्टिव के लिए फंड भी उपलब्ध कराते हैं। ऐसे आर्थिक लक्ष्यों और सपनों के लिए योजना बनाने से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि हम इसे समय पर अपनी बचत में बढ़ोतरी के जरिए आसानी से प्राप्त करें। इसके लिए जोखिमों की सुरक्षा और विभिन्न उद्देश्यों के लिए फंड का उचित विकल्प में आवंटन जरूरी है। ऐसे लक्ष्य आपके उम्र के पड़ाव पर निर्भर करते हैं।

जो युवा हैं और जिन्होंने नौकरी की शुरुआत की है और जो वित्तीय रूप से स्वतंत्र हैं और जिनकी कोई देनदारी भी नहीं है उनकी चाहत नई कार की खरीदारी, महंगे कंज्यूमर ड्यूरेबल खरीदना, विदेश घूमना, घर की खरीदारी, शादी की योजना बनाना आदि हो सकती है। उम्र के इस पड़ाव में एक तरफ जहां लोग कमाई के एक बड़े हिस्से का खर्च करते हैं, वहीं यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि वह अनुशासित तरीके से बचत करें ताकि उनकी आर्थिक योजना शुरू से ही पटरी पर रहे। युवावस्था में आप निवेश की शुरुआत कर अपने सपनों को आसानी से साकार कर सकते हैं। साथ ही आपातकालीन परिस्थितियों के लिए तरलता का प्रबंधन भी कर सकते हैं। उम्र बढ़ने के साथ ही आपके लिए रिटायरमेंट कोष बनाना और हेल्थ इंश्योरेंस लेना जरूरी हो जाता है।

जब आप शादीशुदा हो जाते हैं, तब आपके लक्ष्यों और उम्मीदों के साथ-साथ संपत्ति और जवाबदेहियों को भी शेयर करना जरूरी हो जाता है। उम्र के इस चरण में मध्यावधि में धन में बढ़ोतरी के लिए आप लगभग पूरी तरह तैयार होते हैं। बीमा के साथ-साथ निवेश करना इस चरण में जरूरी होता है। इस पड़ाव में आप जो निर्णय लेते हैं उसका खास प्रभाव आपके भविष्य की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है। इस उम्र में आमदनी के साथ साथ खर्च में भी बढ़ोतरी होती है। बड़ा घर, परिवार के साथ छुट्टियां मनाना और बढ़ते बच्चों की वजह से खर्च बढ़ जाते हैं। जीवन के इस पड़ाव में आपको अपने लिए धन संचित करने के अलावा बच्चे के भविष्य की प्लानिंग भी करनी होती है। आर्थिक रूप से निर्भर व्यक्तियों की बढ़ती संख्या के साथ ही पर्याप्त जीवन बीमा कवर लेना जरूरी हो जाता है। अगर आपने पहले से ही जीवन बीमा कवर लिया हुआ है तो इस चरण में उसमें इजाफा करने पर विचार करें ताकि आपकी पत्नी और बच्चों का आर्थिक भविष्य सुरक्षित रहे। बढ़ते बच्चों के साथ ही जिम्मेदारियों में भी इजाफा होता है और यह आपकी प्राथमिकताओं में शामिल होता है। इस चरण में बच्चों की उच्च शिक्षा की योजना बनाने के अलावा उनकी शादी के खर्चों के बारे में भी सोचना होता है। इसी उम्र में देनदारियों और रिटायरमेंट की योजना बनाने की जरूरत भी होती है। निवेश के एक बड़े हिस्से का निवेश सुरक्षित परिसंपत्तियों में करने की जरूरत होती है ताकि जो लक्ष्य नजदीक है उनके लिए व्यवस्था की जा सके। इसके अलावा आपको एक व्यापक हेल्थ प्लान भी ले लेना चाहिए ताकि हॉस्पिटलाइजेशन की दशा में वह काम आ सके। इसके अलावा क्रिटिकल इलनेस कवर लेना भी महत्वपूर्ण है।

रिटायरमेंट के बाद हर कोई एक आरामदेह जिंदगी गुजारना चाहता है। रिटायरमेंट के बाद के जीवन को सुखमय तरीके से गुजारने के लिए आपको अपने परिसंपत्तियों की व्यवस्था को कुछ इस तरह करनी होगी कि आपको नियमित आय प्राप्त होती रहे। इसके अलावा आपको अपने स्वास्थ्य संबंधी खर्चों को व्यवस्था भी करते हुए चलना चाहिए। आपको रिटायरमेंट के बाद आजीवन नियमित आय के लिए एक पेंशन प्लान और हेल्थ कवर ले लेना चाहिए।

जीवन बीमा के विभिन्न प्रोडक्ट

जीवन बीमा की दुनिया में कई तरह के प्रोडक्ट हैं जिनमें टर्म इंश्योरेंस, एंडोमेंट पॉलिसी, होल लाइफ पॉलिसी, मनी-बैक प्लान, पेंशन प्लान, हेल्थ प्लान और यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान शामिल हैं। इनमें से अपनी जरूरत के मुताबिक प्रोडक्ट का चयन किया जा सकता है। फाइनेंशियल प्लानिंग की सफलता के लिए जरूरी है कि आप दीर्घावधि तक इस प्लान पर अमल करें। जीवन बीमा छोटे योगदान के जरिए जो धन संचित करता है वह न केवल आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है बल्कि विभिन्न सपनों को साकार करने में भी मददगार होता है